हारे को सहारा मिलता मैया तेरे द्वार पे | By Satyajit Jain |

आ गया हूँ
आ गया हूँ भवानी
दुनिया से हार के
हारे को सहारा मिलता
मैया तेरे द्वार पे

मिलता सहारा तेरे द्वार पे
मिलता सहारा तेरे द्वार पे

दर-बदर की मैं भवानी
ठोकर खाता रहा
गैरों ने लूटा है मुझको
अपनों ने रुसवा किया
हे जयन्ती हाथ दया का
सिर पे रख दे
हारे को सहारा मिलता
मैया तेरे द्वार पे

मिलता सहारा तेरे द्वार पे
मिलता सहारा तेरे द्वार पे

प्यार के बदले मुझको माता
अब तो धोखा मिला
जिनसे मैंने हँसना सीखा
आज वो रोता मिला
हे दयालु जननी आके
लाल को प्यार दे
हारे को सहारा मिलता
मैया तेरे द्वार पे

छोड़ के अब तो तेरा द्वारा
मैं भला जाऊँ कहाँ
है पराया जग ये सारा
तू ही तो है मेरी माँ
हे भवानी हर्ष का संकट
अब तो उतार दे
हारे को सहारा मिलता
मैया तेरे द्वार पे

आ गया हूँ
आ गया हूँ भवानी
दुनिया से हार के
हारे को सहारा मिलता
मैया तेरे द्वार पे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%8b-%e0%a4%b8%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-

%e0%a4%ae%e0%a4%bf%e0%a4%b2%e0%a4%a4%e0%a4%be-
%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%a4/